

प्रेषक,

मवीन चन्द शर्मा,

सचिव

उत्तरांचल शासन

सेवामें,

अपर निबन्धक,

सहकारी समितियाँ,

उत्तरांचल अल्मोड़ा

गन्ना-चीनी एवं सहकारिता अनुभाग:

देहरादून:

दिनांक: 21 मार्च 2005

विषय:- केन्द्रीय क्षेत्र योजना के अन्तर्गत उत्तरांचल के अल्मोड़ा, देहरादून एवं टिहरी जनपदों की एकीकृत सहकारी विकास परियोजना हेतु वर्ष 2003-04 में प्रोजेक्ट योजना शुल्क की स्वीकृति के सम्बन्ध में.

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 6368/नियो0/आई.सी.डी.पी./2004-05 दिनांक 21.3.2005 के मन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि उक्त परियोजना के प्रोजेक्ट रिपोर्ट शुल्क हेतु वित्तीय वर्ष 2004-05 के लिए रु० 5.60 लाख (पाँच लाख साठ हजार रुपये मात्र) जिसका विवरण संलग्न-“क” पर है, की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं. उक्त धनराशि की शतप्रतिशत प्रतिपूर्ति राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा राज्य सरकार को की जायेगी. उक्त धनराशि आवश्यकतानुसार निबन्धक, सहकारी समितियाँ, उत्तरांचल द्वारा निर्दिष्ट कार्य में व्यय करने हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं को उपलब्ध करायी जायेगी और पूर्व में उपलब्ध कराई गयी धनराशि की उपयोगिता सुनिश्चित की जायेगी.

(1) उक्त धनराशि इस शर्त के अधीन स्वीकृत की जा रही है कि स्वीकृत धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार किया जायेगा और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि इस योजना के अन्तर्गत अब तक स्वीकृत सभी ऋणों की प्रतिपूर्ति हो चुकी है और उसे कांफागर के सम्बन्धित लेखा शीर्षक में जमा कर दिया गया है.

(2) स्वीकृत अनुदान की धनराशि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा स्वीकृत परियोजना में उल्लिखित शर्तों के अनुसार व्यय की जायेगी.

(3) स्वीकृत धनराशि निगम की परियोजना के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में व राग्य राग्य पर प्राप्त शर्तों के अनुरूप विनियमित होगी.

(4) इन शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित किये जाने की पूर्ण जिम्मेदारी निबन्धक सहकारी समितियाँ उत्तरांचल की होगी.

(5) आवश्यक उपयुक्त प्रमाण पत्र एवं इसकी सूचना यथा समय राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को तथा राज्य सरकार को प्रामाणिक रूप से अवगत कराना होगा और पूर्ण अनुपालन

क्रमशः-----2/-

सुनिश्चित होने के उपरान्त ही वर्ष की अवशेष धनराशि अवमुक्त कराये जाने हेतु उपयोगिता प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया जाना एवं भौतिक प्रगति की सूचना भी शासन को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक होगा.

(6) पैरा-1 में स्वीकृत धनराशि किसी अन्य प्रयोजन के लिए प्रयोग में नहीं लाई जायेगी. लेखा परीक्षण, मुख्य लेखा परीक्षाधिकारी द्वारा किया जायेगा तथा महालेखाकार उत्तरांचल द्वारा भी निरीक्षण जा सकता है.

2. इस शासनादेश के प्रस्तर-1 में निर्धारित विशिष्ट शर्तों के अनुपालन विभागों/उपक्रमों में तैनात वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे. यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार का विचलन हो तो सम्बन्धित वित्त नियंत्रक आदि को दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दे दी जाय.

3. उपर्युक्त छय वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्यय में सहकारिता विभाग के सम्बन्धित अनुदान संख्या-18 के अन्तर्गत निम्नलिखित शीर्षकों के नामें डाला जायेगा.

लेखाशीर्षक	(धनराशि लाख रुपये में)
2425-सहकारिता-आयोजनागत	
-00-	
800-अन्य छय	
04-एकीकृत सहकारी विकास परियोजना हेतु	
अनुदान (राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा पोषित)	
-00-	
20-सहायक अनुदान/अर्शदान/राज सहायता	5.60
	(रु० पाँच लाख साठ हजार मात्र)

4. राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से प्राप्त होने वाली वित्तीय सहायता/अनुदान की धनराशि रु० 5.60 लाख (रुपये पाँच लाख साठ हजार मात्र) की प्राप्तिर्था लेखाशीर्षक "0425-सहकारिता-800-अन्य प्राप्तिर्था-03-राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से प्राप्त" के अन्तर्गत जोड़ा किया जायेगा.

5. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-762/वि०अनु.-2/05 दिनांक 28 मार्च 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं.

भवदीय,

(नवीन चन्द शर्मा)
सचिव.

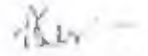
संख्या-153(1)/सहकारिता/2004/तद्दिनांक.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

1. वरिष्ठ कोषाधिकारी, अल्मोड़ा.

2. जिलाधिकारी, अल्मोड़ा, टिहरी एवं देहरादून.
3. प्रक्रम निदेशक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, न-सोरी इन्स्टीट्यूशनल एरिया, हौज खास, नई दिल्ली.
4. क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, देहरादून.
5. सचिव/महाप्रबन्धक, जिला सहकारी बैंक लि०, अल्मोड़ा, टिहरी एवं देहरादून.
6. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून
7. सचिव, वित्त, उत्तरांचल शासन, देहरादून.
8. निबन्धक, सहकारी समितियाँ, उत्तरांचल देहरादून.
9. वित्त (व्यय नियंत्रक) अनुभाग/आय-व्ययक अनुभाग/नियोजन अनुभाग.
10. निदेशक एन०आई०सी०, उत्तरांचल.
11. गार्ड फाईल.

आज्ञा से,



(नवीन चन्द शर्मा)

सचिव.

संलग्नक-क

शासनादेश संख्या- 15.3 /2005/NIV-1/2005 दिनांक 21 मार्च 2005

जनपद का नाम	स्वीकृत धनराशि का वियरण (लाख रु० में)
अल्मोड़ा (आई०सी०डी०पी०)	2.00
टिहरी (आई०सी०डी०पी०)	2.20
देहरादून (आई०सी०डी०पी०)	1.40
योग:-	5.60

(रु० में लाख साठ हजार)

(मवीन चन्द शर्मा)
सचिव.